अनमोल विचार

मंजिल उन्हीं को मिलती है
जिनके सपनों में जान
होती है
पंख से कुछ नहीं होता
हौंसलों से ही उड़ान होती है

सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

इस सप्ताह का विचार

पिता नीम के पेड़ के
जैसा होता है जिसके
पत्ते भले ही कड़वे हों
पर वह छाया
हमेशा ठंडी देता है

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-1 • EDITOR: ATUL SHARMA • 26 AUGUST TO 1 SEPTEMBER 2019 • VOLUME-5 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • Mobile: 99881-15514 • email:atul_editor@jalandharbreeze.com

"वादा तेरा वादा, 'वादे पे तेरे मारा गया बन्दा मैं सीधा सादा"

■ जालंधर से विजय कुमार की विशेष रिपोर्ट

जब हम सत्ता से दूर होते है तो हमें देश के विकास की बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार की, और भ्रष्टाचार की तो बहुत चिन्ता रहती है और जनता को भाषणों द्वारा व मीडीया के माध्यम से धार्मिक स्थानों में शपथ उठाने और जन-जन के हित के लिए स्वयं को समर्पित कर देने के वादे करते है परन्तु सत्ता प्राप्ति के बाद वह सब वादे भूल जाते है जो हमने उन आम जनता से किए थे, जिन्होंने हम पर विश्वास किया, हमें सत्ता सौंप दी कुछ ऐसा ही पंजाब की जनता के साथ भी हुआ। रोजगार तो हर घर के एक व्यक्ति को मिल गया होगा परन्तु विकास का एक उदाहरण है ट्रांसपोर्ट नगर जो शहर से बाहर ट्रांसपोर्ट को सस्ती जमीन देकर उनको शहर के बाहरी इलाके में गोदाम और दफ्तर बनाकर वहां से बिजनेस करने के लिए सरकार द्वारा आदेश हुआ था ताकि जालंधर शहर की बढ़ती ट्रैफिक को कंट्रोल किया जा सके। बढ़ते वायु प्रदूषण की रोकथाम हो सके, भारी वाहनों से सड़कों को होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। स्कूली विद्यार्थियों को दुर्घटनाओं का शिकार न होना पड़े, ध्वनि

प्रदूषण को कम किया जा सके। वायु प्रदूषण से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव न पड़े। नगर में आम व्यवसायी दुकानदारों, ऑटो चालकों, सब्जी विक्रेता जो सड़क पर बैठ अथवा रेहड़ी, ठेले द्वारा अपनी रोजी रोटी चलाने वालों को राहत मिल सके।

परन्तु हुआ क्या? सस्ती जमीनें मिलने, संबंधित सुविधाएं मिलने के बावजूद ट्रांसपोर्ट के गोदाम अब भी शहर की घनी आबादी में पहले की तरह चल रहे है ना कोई प्रशासन और ना कोई कर्मचारी और ना कोई ट्रैफिक पुलिस द्वारा, न स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान दे रहे है। और तो और अब ग्रीन ट्रिब्यूनल धुआं होता दिख रहा है।

क्या माननीय सांसद जो जालंधर संसदीय, विधायक जी एवं प्रशासन जालंधर उपायुक्त इस विकट समस्या जिससे इलाका निवासियों को अति कष्ट उठाना पड़ रहा है आर्थिक और स्वास्थ्य पर हानि उठानी पड़ रही है, कोई समाधान निकालने का प्रयास करेंगे अथवा आगामी चुनाव के लिए ये मुद्दा सुरक्षित रखा जायेगा पुन: विकास के बाद के लिए वादा तेरा वादा, 'वादे पे तेरे मारा गया बन्दा मैं सीधा सादा।'

चिदंबरम को सुप्रीमकोर्ट से लगा बड़ा झटका, सीबीआई रिमांड के खिलाफ अपील खारिज

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

इसके अलावा पी. चिदंबरम द्वारा सीबीआई हिरासत के खिलाफ दायर याचिका पर अभी सुनवाई नहीं होगी, क्योंकि ये मामला अभी तक लिस्ट नहीं हो पाया है। पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस नेता पी चिदंबरम द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया, जिसमें आईएनएक्स मीडिया मामले में सीबीआई मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने से संबंधित थी। दिल्ली हाईकोर्ट के द्वारा अंतरिम जमानत रद्द होने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इसके अलावा पी. चिदंबरम द्वारा सीबीआई हिरासत के खिलाफ दायर याचिका पर अभी सुनवाई नहीं होगी, क्योंकि ये मामला अभी तक लिस्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, अभी ईडी की तरफ से जो हलफनामा दायर किया गया है उसपर भी सुनवाई होनी है। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट के द्वारा पी. चिदंबरम को अंतरिम जमानत ना देने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू हो गई है। चिदंबरम के वकील कपिल सिब्बल की ओर से कहा गया है कि हमने इस मामले को मंगलवार को उठाया था, लेकिन तब नहीं सुना गया और अब ये मामला सुनने में आया है।

भ्रष्टाचार पर मोदी सरकार का बड़ा प्रहार, 22 अफसर जबरन रिटायर

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

क्या करप्शन खत्म नहीं हो सकता। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं, हो सकता है।

बस थोड़ा सा बदलाव लाना होगा। अपने पहले कार्यकाल के दौरान पीएम मोदी ने भ्रष्टाचार को लेकर अपने रुख को कुछ इस तरह जाहिर कर संकेत दे दिया था कि केंद्र में काबिज मोदी सरकार इसे लेकर जीरो टालरेंस की नीति पर है।

दूसरे कार्यकाल के शुरुआती दौर में ही इससे एक कदम आगे बढ़ते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए केंद्रीय

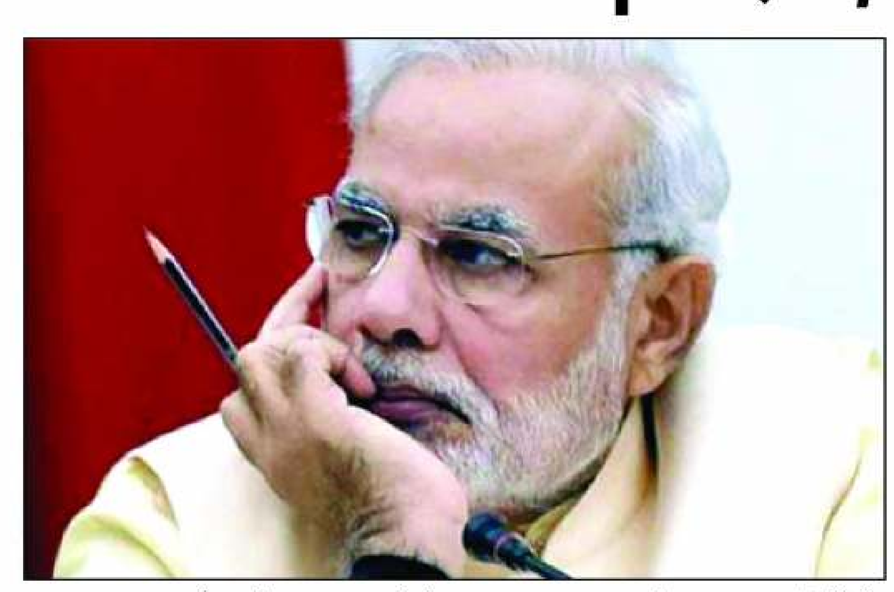

अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के 22 वरिष्ठ अधिकारियों की छुट्टी कर दी है। भ्रष्टाचार और अन्य आरोपों के कारण जनहित में मौलिक नियम 56 (जे) के तहत अधीक्षक/ AO रैंक के 22 अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को अनिवार्य रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है।

मोदी सरकार 2 के गठन के बाद से ही सरकारी विभागों में सफाई का सिलसिला लगातार जारी है। इससे पहले जून महीने में नियम 56 इससे पहले भी टैक्स विभाग के ही 12 वरिष्ठ अफसरों को जबरन रिटायर कर दिया गया था।

क्या है रूल 56

वित्त मंत्रालय रूल 56 का इस्तेमाल ऐसे अधिकारियों पर किया जा सकता है, जो 50 से 55 साल की उम्र के हों और 30 साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। सरकार के जरिए ऐसे अधिकारियों को अनिवार्य रिटायरमेंट दिया जा सकता है। ऐसा करने के पीछे सरकार का मकसद नॉन-फॉर्मिंग सरकारी सेवक को रिटायर करना होता है। सरकार के जरिए अधिकारियों को अनिवार्य रिटायरमेंट दिए जाने का नियम काफी पहले से ही प्रभावी है।

यह पब्लिक है सब जानती है

■ जालंधर/नीरज

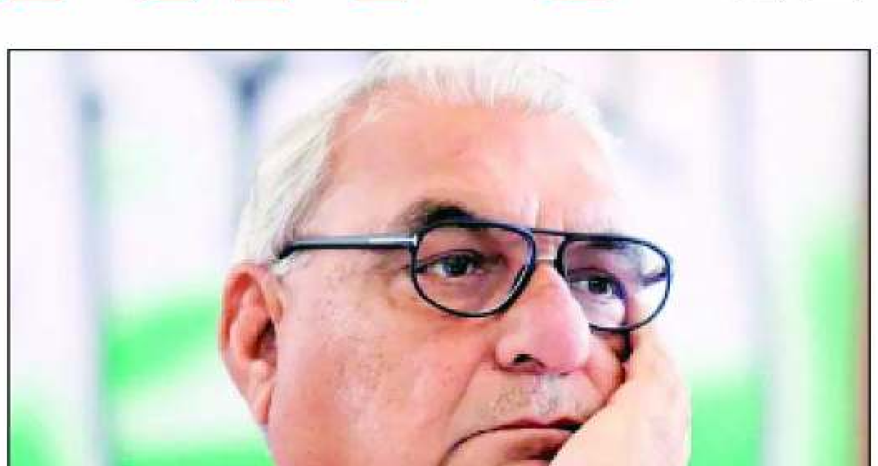

गत दिनों हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा द्वारा चुनावी भाषण में जनता को दिए अपने भाषण में कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आई तो वे चार उपमुख्यमंत्री बनाएंगे अलग-अलग जातियों से इसके अतिरिक्त मुफ्त यात्रा भी करवायेंगे हरियाणा रोडवेज की बसों में।

इसके अलावा एक 38 सदस्यों की एक कमेटी की नियुक्त भी करेंगे। सुनने में तो बातें मनमोहक लगी होगी। जनता यह नहीं जानती कि उन पर कितना बोझ डालने की तैयारी कर रहे है भूपेन्द्र सिंह हुड्डा। कहने को तो उन्होंने धारा 370 का समर्थन कर स्वयं को कांग्रेस से अलग दृष्टिकोण वाला नेता सिद्ध करने का प्रयास किया परन्तु नीतियां वहीं पुरानी कांग्रेस वाली ही है। श्री मान अलग-अलग जातियों के मुख्यमंत्री बनाकर तुष्टि करण का प्रयास कर रहे है वहीं जातिवाद को बढ़ावा भी दे रहे है। आम जनता को जानकारी नहीं होती कि चार मुख्यमंत्रियों पर करोड़ो रुपये का अनावश्यक खर्च बढ़ेगा जिसका बोझ जनता पर ही पड़ने लगेगा। मुफ्त यात्रा के कारण आज पंजाब रोडवेज घाटे में चल रही बल्कि टूटने की कगार पर है।

पंजाब सरकार द्वारा भी ऐसी कई सुविधाएँ दी गई है जिन के कारण पंजाब रोडवेज नई बसें बैंकों से लोन लेकर चल रही है सिर्फ इसलिए की कर्मचारियों को वेतन मिलता रहे और नौकरी बनी रहे। आम नागरिक को इस पर घोर चिंतन करना चाहिए कि ऐसी सेवाएं जो मुफ्त में दी जाती उनका खर्च जनता से किसी ना किसी रूप में वसूला जाता है कोई नेता अपने घर से पैसा नहीं देता अगर मुफ्त देना ही है तो शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार प्रदान करें।

भूपेन्द्र सिंह हुड्डा प्राइवेट कंपनीयां में नौकरियां दिलवाने का आश्वासन दिलाते है। उन्हें पहले अलग-अलग क्षेत्र में प्रशिक्षित करना होगा युवा पीढ़ी को तभी तो नौकरियां मिल पायेगी।

उन्हें चाहिए कृषि तकनीक जैसी सुविधाएं मुफ्त प्रदान करने का वादा करें। सारांश यह कि जनता उन नेताओं के झांसों में न आए जो रंगीन सपने दिखा कर जनता को लूट रहे हो।

डोनाल्ड ट्रंप का सनसनीखेज बयान, परमाणु बम गिराने की सलाह दी

■ वाशिंगटन/ब्यूरो

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश में आने वाले चक्रवातों पर, यहां पहुंचने से पहले ही परमाणु बम गिराने की सलाह दी है ताकि उनका आवेग बाधित हो जाए। एक्सियोस नाम की एक समाचार वेबसाइट ने रविवार को यह खबर दी। वेबसाइट में कहा गया है कि चक्रवात को लेकर हुई एक बैठक में ट्रंप ने जानना चाहा कि क्या अफ्रीका के तट पर चक्रवात बनने की प्रक्रिया को बाधित करने के लिए तूफान पर ही परमाणु बम गिराया जा सकता है। एक अज्ञात सूत्र ने बताया कि बैठक में शामिल हुए सदस्य यह कहते हुए निकले,

" हम इसका क्या करें ?'' वेबसाइट में हालांकि यह नहीं बताया गया है कि यह बातचीत कब हुई। बताया जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस तरह की टिप्पणी पहली बार नहीं की है। 2017 में ट्रंप ने अपने एक वरिष्ठ अधिकारी से पूछा था कि क्या चक्रवातों के आने से पहले ही उन पर परमाणु बम गिराया जा सकता है। खबर के मुताबिक व्हाइट हाउस ने इस पर कुछ भी कहने से मना कर दिया लेकिन एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ट्रंप का 'उद्देश्य बुरा नहीं है।' वेबसाइट के अनुसार, ट्रंप का यह विचार नया नहीं है। इससे पहले 1950 में राष्ट्रपति ड्वाइट आइजनहोवर के कार्यकाल में एक सरकारी वैज्ञानिक ने यह सलाह दी थी। बार बार उठने वाले इस विचार पर वैज्ञानिक पहले भी असहमति जता चुके हैं। अमेरिका में अक्सर चक्रवात आते रहते हैं।

क्या है जी-7 देशों का समूह और पीएम मोदी को क्यों मिला निमंत्रण ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बियारित्ज में हुए जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में विशेष आमंत्रित के तौर पर भाग लिया। प्रधानमंत्री को फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने निमंत्रित किया था जिसे मोदी ने स्वीकारा था। जी-7 समूह के देशों का 45वां सम्मेलन फ्रांस के बियारित्ज में 24 से 26 अगस्त तक आयोजित किया गया। हैरानी की बात यह है कि भारत इस जी7 का हिस्सा नहीं है फिर भी उसे निमंत्रण मिला है जो चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए एक बड़ा झटका है। चीन और पाकिस्तान के लिए यह इसलिए भी बड़ा झटका हो सकता है क्योंकि भारत इस मंच से दुनिया के सामने सीमा पार से प्रयोजित होने वाले आतंकवाद का मुद्दा उठाएगा। इसके अलावा भारत दुनिया के ताकतवर देशों के समक्ष जम्मू और कश्मीर पर अपना पक्ष भी रखेगा। भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण रहा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का प्रतिनिधित्व किया। **तो चलिए सबसे पहले हम आपको यह बताते हैं कि जी-7 क्या है?**

जी-7 दुनिया के सात बड़े देशों का समूह है जिनकी अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर को प्रभावित करती है। इन देशों में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। यूरोपियन यूनियन भी 1977 से इस सम्मेलन में शामिल होता आ रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह दुनिया की

सात सबसे बड़ी कथित विकसित और उन्नत अर्थव्यवस्था वाले देशों का समूह है। जी-7 का पूरा मतलब "group of seven" है। दुनिया के प्रमुख औद्योगिक देशों के लिए एक मंच की अवधारणा 1973 के तेल संकट से पहले उभरी। जी-7 का उद्देश्य लोकतंत्र तथा कानून का शासन कायम करना, स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की सुरक्षा और समृद्धि और सतत विकास पर जोर देना है। इसके अलावा वर्तमान वैश्विक चुनौतियों पर भी चर्चा की जाती है जिसमें ऊर्जा नीति, जलवायु परिवर्तन, एचआईवी-एड्स और आतंकवाद जैसे मुद्दे शामिल हैं।

इस समूह की पहली बैठक फ्रांस में 1975 में हुई थी। 1976 में कनाडा के शामिल हो जाने के साथ से ही यह जी-7 के रूप में जाना जाने लगा। 1997 से 2014 के बीच, इस समूह में रूस भी शामिल था और आठ के समूह के रूप में (जी-8) जाना जाता था। 1975 के बाद से जी-7 देशों की यह बैठक सालाना होती है और सबसे ज्यादा जोर विश्व का आर्थिक संकट के संभावित समाधानों पर ही रहता है। 1996 में जी-7 ने 42 गरीब देशों के लिए एक नई पहल की शुरुआत की।

जी-7 देशों के राष्ट्राध्यक्ष, यूरोपियन कमीशन और यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष इस बैठक में शामिल सभी देशों से भारत के रिश्ते मधुर हैं। राष्ट्रयक्षों के अलावा जी-7 के मंत्री और नौकरशाह भी हर साल आपसी संबंधों को लेकर मिलते रहते हैं। एक सवाल सभी के मन में उठता है कि दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद चीन इस समूह का हिस्सा क्यों नहीं है। ऐसा इसलिए, है क्योंकि चीन में दुनिया की सबसे बड़ी आबादी रहती है और प्रति व्यक्ति आय कम है।

फ्रांस के समुद्री तट पर स्थित खूबसूरत शहर बियारित्ज में आजोजित जी-7 की इस बैठक में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों की ओर से निमंत्रण मिला था। पर सवाल यह है कि इस समूह का हिस्सा नहीं होने के बावजूद भी भारत इस बैठक में कैसे शामिल हो रहा है? जवाब के तौर पर हम यह कह सकते हैं कि वैश्विक पटल पर भारत की ताकत लगातार बढ़ रही है जो दुनिया के बड़े देशों को आकर्षित कर रहा है। अपने बाजार की वजह से भारत एक बड़ी आर्थिक शक्ति के रूप में भी पहचाना जाने लगा है। इसके अलावा पिछले 5 सालों में भारत ने अपनी विदेश नीति को काफी मजबूत किया है और इस समूह में शामिल सभी देशों से भारत के रिश्ते मधुर हैं। मोदी के इस बैठक में शामिल होने की एक खास वजह भी है। दरअसल फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों जी-7 के अध्यक्ष हैं और अध्यक्ष होने के नाते उन्हें यह अधिकार है कि वो गैर सदस्य देशों को इसमें शामिल होने का निमंत्रण दे सकें।

ट्विटर

अरुण जेटली का निधन भाजपा के लिए एक असहनीय क्षति है। संसद सदस्य के रूप में उन्होंने लोगों की आवाज उठाई व भ्रष्टाचार के खिलाफ धर्मयुद्ध के रूप में काम किया।

- अमित शाह, गृह मंत्री

उक्ति

"कोई भी काम करने से पहले, स्वयं से प्रश्न पूछिए, मैं यह क्यों कर रहा हूं और क्या मैं इसमें सफल हो पाऊंगा। गहराई से सोचने पर संतोषजनक उत्तर मिल जाए तो आगे बढ़ें।

- चाणक्य

प्रसंग

विदेश में पाक प्रायोजित विरोध

लंदन स्थित इंडिया हाउस के बगल में स्थित इंडिया प्लेस में स्वतंत्रता दिवस मनाने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए एकत्रित भारतीयों पर पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित हमले से पूरी दुनिया सन्न है। चाहे ब्रिटन हो या अमेरिका या यूरोप, यहां भारतीयों की संख्या पाकिस्तानियों से कई गुना ज्यादा है। वे उनको सबक सिखाने लायक जवाब दे सकते हैं। लेकिन क्या ऐसा सही होगा? यह भारतीय परंपरा के भी खिलाफ होगा।

लंदन स्थित इंडिया हाउस के बगल में स्थित इंडिया प्लेस में स्वतंत्रता दिवस मनाने तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए एकत्रित भारतीय या फिर भारतीय मूल के भारतवंशी निस्संदेह इससे अनजान थे कि पाकिस्तान वहां बड़े हिंसक विरोध प्रदर्शन की योजना बना चुका है। जब अचानक भारी संख्या में पाकिस्तानी और उनके समर्थक बसों से उतरकर वहां पाकिस्तानी झंडा लहराते हुए भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध में नारा लगाने लगे, गंदी-गंदी गालियां देने लगे तो कुछ समय के लिए किसी की समझ में नहीं आया कि क्या करें। इस तरह के असभ्य और हिंसका विरोध प्रदर्शनों की मिसाल शायद ही मिले। इनकी ओर जूते, अंडे, पत्थर, जमे हुए पानी की बोतलें, शीशे के बोतल, टमाटर, आलू, रंग और न जाने क्या-क्या सामानों से हमला किया जाना लगा। इन सबकी संख्या 10 हजार के आस पास बनाई जाती है। कई भारतीय घायल हुए।

हमले के निशान भारतीय उच्चायोग भवन के दीवारों पर कोई भी देख सकता है। ये सब बसों में भरकर करीब 11.30 बजे लाए गए और साढ़े पांच घंटे इन्होंने वहां अपना कब्जा बनाए रखा। इन्होंने धुएं के बम भी फोड़े। पूरा भय और आतंक का वातावरण वहां था। वे धीरे-धीरे दूसरी दिशा से इंडिया प्लेस में पहुंचने की कोशिश करने लगे। भारतीय मूल के लोगों से कुछ गज की दूरी पर ये रह गए थे। कुछ भारतीय एक बाइलेन में फंस गए जहां से निकलने का रास्ता नहीं था। उच्चायोग के कुछ कर्मचारी भी फंसे थे। वातावरण पूरा डरावना था पर आमना-सामना होने पर जितने भारतीय-भारतवंशी थे वे भारत जिंदाबाद एवं मोदी-मोदी का नारा लगाने लगे। हालांकि इन्होंने किसी अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया। भारत के लिए भले पाकिस्तान का यह व्यवहार चिंताजनक है, पर ब्रिटेन की राजधानी लंदन में ऐसा होना उनक लिए तो शर्मनाक है। प्रश्न है कि क्या लंदन पुलिस और प्रशासन को इसकी पूर्व सूचना नहीं थी? थी तो इसे रोकने के लिए क्या किया गया? इतनी संख्या में बसों में भरकर ब्रिटेन के अलग-अलग क्षेत्रों से लोग लाए जा रहे हैं और वहां की पुलिस और खुफिया समझ नहीं पाई कि ये कुछ घंटों के लिए कानून का राज खत्म कर देंगे।

लंदन में दंगा विरोध पुलिस को बुलाने के लिए 999 नंबर डायल करना होता है। कुछ ने डायल किया तो 3.30 बजे दंगा पुलिस पहुंची। इनके लिए भी नियंत्रण करना कठिन था। करीब साढ़े पांच बजे पाक की गुंडागर्दी समाप्त हुई। इस घटना पर गहराई से विचार-विमर्श करना इसलिए जरूरी है क्योंकि पाक सरकार ने योजनापूर्वक ऐसा किया। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने 14 अगस्त को अपने आजादी के दिन पाक अधिकृत कश्मीर के विधानसभा में बोलते हुए कहा था कि कल देखना लंदन में कितनी पब्लिक एकत्र होती है। ये इतने होंगे जितने पहले कभी नहीं हुए। यह संदेश ब्रिटिश सरकार तथा लंदन प्रशासन तक पहुंची होगी। यह घटना इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि पाकिस्तान ने भारत को उत्तेजित करने, इसे बदनाम करने, दुनिया के लोगों में भारत की छवि खराब करने, दुनिया भर के मुसलमानों को भारत के खिलाफ करने आदि की जो रणनीति बनाई है यह प्रदर्शन उसी का हिस्सा भर था। उस प्रदर्शन में विदेशी पाकिस्तानी एवं मानव संसाधन विकास पर इमरान खान के विशेष सहायक जुल्फी बुखारी शामिल थे जो इस्लामाबाद से लंदन इसीलिए पहुंचे थे। पाकिस्तान से ही प्रमख ब्रिटिश पाकिस्तानियों और पाकिस्तानियों से संपर्क करके तैयारी की जा रही थी तथा समाचार पत्रों की रिपोर्ट के अनुसार इसके लिए धन भी खर्च किया गया।

तीन ब्रिटिश पाकिस्तानी लेबर सांसद शबाना महमूद, खालिद महमूद और मुहम्मद यासिन, लेबर सांसद लियाम बिर्ने, पूर्व सांसद जार्ज गैलोव, पीओके में जन्मे नजीर अहमद जिन पर बाल यौन अपराध का मुकदमा चल रहा है, इसमें शामिल थे। साफ है कि लंदन पुलिस एवं प्रशासन को इसका पता था। वैसे भी किसी प्रदर्शन के लिए अनुमति की आवश्यकता होती है। लंदन जैसी जगह में इतनी देर तक भारत जैसे देश के उच्चायोग एवं इंडिया प्लेस पर हमला होता रहना कैसे संभव है? भारतीयों ने इसके लिए लंदन के मेयर सादिक खान पर आरोप लगाया है। लंदन की कानून व्यवस्था मेयर के हाथों है। कानून और व्यवस्था के लिए दुनिया भर में सामान्य सा सूत्र है कि ऐसे प्रदर्शन के पहले पुलिस-प्रशासन की बैठक होती है और सारी संभावनाओं को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था की जाती है। वहां पुलिस की संख्या इतनी कम थी कि वो 8-10 हजार लोगों का सामना करने में सक्षम नहीं हो रहे थे। इस प्रदर्शन और हमलों को रोका जा सकता था। उन बसों को दूर रोककर उन्हें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने या वापस जाने को बाध्य किया जा सकता था। केवल ब्रिटेन ही नहीं दुनिया भर के भारतीयों-भारतवंशियों में इससे आक्रोश पैदा हुआ है।

भारत आज कोई ऐरा-गैरा देश नहीं है। ब्रिटेन को इसका जवाब देना होगा। विडंबना देखिए कि नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश उच्चायोग ने इसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कहा है। कोई भी हिंसा का वीडियो और तस्वीरें देख सकता है। उच्चायोग भवन हमले की कहानी कह रहे हैं। ब्रिटिश पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार क्यों किया है अगर शांतिपूर्ण प्रदर्शन था तो? भारत सरकार अपना काम कर रही है, लेकिन ब्रिटेन स्थित भारतीय व भारतवंशी भी इस मामले को यूं ही नहीं जाने देंगे। इमरान खान ने स्वयं दुनिया के प्रमुख देशों में भारत के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है और उनके कार्यालय से इसकी तैयारी और मॉनिटरिंग होती है। उन्होंने सितंबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्रसंघ महासभा के अधिवेशन के दौरान भी बड़े प्रदर्शन की घोषणा कर दी है। नरेंद्र मोदी वहां जाने वाले हैं जहां भारतवंशियों के बीच सभा भी आयोजित है। यह अमेरिका को तय करना होगा कि वह लंदन दुहराना चाहता है या उसको रोकना। पर यह रवैया आपत्तिजनक और अस्वीकार्य है।

भारतीय पाक की तरह सामान्यतः इस तरह अभद्र प्रदर्शन व हिंसा करके यह संदेश नहीं देना चाहते कि हम भी उन्हीं की तरह है। किंतु देश और देश के नेता जो देश का ही प्रतीक होता है, के खिलाफ इस तरह पाकिस्तानी और उनके समर्थक करेंगे, भारतीयों के खिलाफ हिंसा करेंगे तो उसकी प्रतिक्रिया होगी। फिर वह खतरनाक मोड़ ले सकती है। इस तरह इमरान हताशा और खीझ में एकदम खतरनाक रास्ता पकड़ चुके हैं। वे एक ओर चाहते हैं कि भारत उत्तेजित होकर कुछ कार्रवाई करे तो दूसरी और दुनिया को भी झूठे भय दिखा रहे हैं। वे ट्वीट कर रहे हैं कि हिंदू वर्चस्व की विचारधारा से भरा मोदी प्रधानमंत्री है, संघ दूसरे सभी धर्म को खत्म करने में विश्वास करता है। वे ट्वीट में कह रहे हैं कि क्या दुनिया कश्मीर में मुस्लिमों का एक और स्नेब्रेनिका जैसा नस्लीय सफाया देखती रहेगी? मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेतावनी देना चाहता हूं कि अगर यह होने दिया गया तो गंभीर परिणाम होंगे।

भारत की चुनौतियां बढ़ गई हैं। पाक से निपटने के कदम उठाने होंगे। चाहे ब्रिटन हो या अमेरिका या यूरोप के देश, यहां भारतीयों की संख्या पाकिस्तानियों से कई गुना ज्यादा है। वे उनको सबक सिखाने लायक जवाब दे सकते हैं। लेकिन क्या ऐसा सही होगा? पाकिस्तान सरकार द्वारा प्रायोजित प्रदर्शनों और हिंसा का जवाब देने के लिए भारत सरकार भी जवाबी प्रायोजन करे यह भारतीय संस्कार के अनुकूल नहीं लगता। लेकिन प्रश्न है कि किया क्या जाए?

विशेष संपादकीय

हमेशा याद आते

पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली का बीते शनिवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। देश की राजनीति में जेटली की भूमिका हमेशा याद की जाएगी। जेटली भले ही जनाधार के नेता न रहे हों, लेकिन उनकी अहमियत भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेताओं में रही। उन्हें पार्टी का चाणक्य भी कहा गया क्योंकि वह रणनीति के माहिर थे। 1974 में जेटली ने दिल्ली छात्र संघ का चुनाव जीता था। 1977 में वे जनसंघ में शामिल हुए। 1980 में वे भाजपा में सक्रिय हो गए थे, लेकिन 34 सालों तक वे सीधे चुनावी रण में नहीं उतरे थे। 2014 में जब भाजपा नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव लड़ रही थी तो जेटली चुनाव लड़ने उतरे। पार्टी ने जेटली के लिए पंजाब की अमृतसर सीट फाइनल की। हालांकि उन्हें कांग्रेस के दिग्गज नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने जीतने नहीं दिया। बावजूद इसके वे मोदी सरकार में अहम मंत्री पद संभाला। बिहार की राजनीति में अरुण जेटली की असल भूमिका चारा घोटाले के दौर में शुरू हुई थी। यहीं से लालू राज का ढलना शुरू हो गया था। हालांकि लालू के बाद राबड़ी देवी सत्ता में बनी रहीं, लेकिन जेटली भी अपनी गणित बैठाते रहे। 2005 के विधानसभा चुनाव में अरुण जेटली को बिहार भाजपा का प्रभारी बनाया गया। उस वक्त राबड़ी देवी की वापसी तय मानी जा रही थी, लेकिन लालू और पासवान में आपसी कलह की वजह से राज्य में राष्ट्रपति शासन तक की नौबत आ गई। दरअसल, जनता भी लालू-राबड़ी का विकल्प ढूंढ रही थी। जेटली ने इस मौके को भांपते हुए प्रमोद महाजन को विश्वास में लेते हुए नीतीश कुमार को एनडीए का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कराया और उन्हें न्याय यात्रा पर निकलने की सलाह दी। अक्टूबर नवंबर के चुनाव में जेटली ने खुद पटना में चुनाव प्रचार किया था। इसके बाद नीतीश कुमार की पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनी। तब से अब तक नीतीश कुमार राज्य के मुख्यमंत्री हैं। अरुण जेटली कभी चुनाव नहीं जीत पाए, लेकिन जहां भी उन्होंने चुनावी बिसात बिछाई वहां भाजपा को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 2003 में उन्हें मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव की कमान सौंपी गई, जिसके बाद राज्य में भाजपा ने 15 साल शासन किया। वर्ष 2008 कर्नाटक विधानसभा चुनाव की कमान जेटली को सौंपी गई थी। कर्नाटक में पहली बार कमल खिलाने का श्रेय भी इन्हें दिया जाता है। हालांकि कर्नाटक की सियासत में जेटली बहुत सक्रिय नहीं दिखे, लेकिन पहली बार राज्य में कमल खिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। इसके अलावा जेटली ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश में भी पार्टी के लिए अहम कड़ी रहे थे। राज्यों में जब जेटली भाजपा का आधार मजबूत कर रहे थे, तभी वे नरेंद्र मोदी के भी निकट आ रहे थे। मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कराने में अरुण जेटली की अहम भूमिका रही। आज अरुण जेटली भले ही हमारे बीच न हों, मगर उनकी कमी सिर्फ भाजपा को नहीं पूरे देश को खलेगी।

जेटली का जाना अखर गया

भाजपा के वरिष्ठ नेता व नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वित्त मंत्री का कार्यभार संभालने वाले अरुण जेटली अब हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने शनिवार को दोपहर दिल्ली एम्स में 12 बजकर सात मिनट पर आखिरी सांस ली। जेटली एम्स में पिछले कई दिनों से भर्ती थे। विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही थी। 66 साल के जेटली को सांस लेने में दिक्कत और बेचैनी की शिकायत के बाद नौ अगस्त को ए स लाया गया था। एम्स ने 10 अगस्त के बाद से अरुण जेटली के स्वास्थ्य पर कोई बुलेटिन जारी नहीं किया था। जेटली ने खराब स्वास्थ्य के चलते 2019 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। पेशे से वकील रहे जेटली ने मोदी सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान अहम जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने वित्त के साथ कुछ समय के लिए रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी निभाई। वह कई मौकों पर सरकार के संकटमोचक भी बने। इस साल मई में उन्हें इलाज के लिए एम्स में भर्ती कराया गया था। बाद में छुट्टी दे दी गई थी। पिछले साल 14 मई को जेटली का एम्स में गुर्दे का प्रत्यारोपण हुआ था। जेटली पिछले साल अप्रैल से वित्त मंत्रालय नहीं जा रहे थे। हालांकि वह 23 अगस्त, 2018 को दोबारा अपने मंत्रालय पहुंचे थे। उनकी गैर मौजूदगी में तत्कालीन रेल मंत्री पीयूष गोलय को वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था। पुरुषस्य भाग्यम दैवो न जानामि। भारतीय सनातन धर्म परंपरा की पुरानी धारणा है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री स्वर्गीय अरुण जेटली पर सटीक बैठती है। श्रीराम कालेज से कामर्स स्नातक रहे जेटली कभी चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहते थे। उन्होंने परीक्षा भी दी थी, लेकिन कहते हैं कि उनके भाग्य में कुछ और लिखा था। एक छात्र नेता से हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट के प्रतिष्ठित अधिवक्ता बने अरुण जेटली को वर्ष 2014-2019 तक मोदी कैबिनेट का ताकतवर मंत्री बनना था। मंत्री ही नहीं सरकार का संकट मोचक भी बनना था। अरुण जेटली का पूरा नाम अरुण महाराज किशन जेटली है। 66 साल के अरुण जेटली की छात्र जीवन से ही राजनीति में रुचि रही और 1973 के बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। दिल्ली के प्रतिष्ठित सेंट जेवियर कॉलेज के विद्यार्थी रहे जेटली ने श्रीराम कालेज से बीकॉम में दाखिला लिया। यहां से बीकॉम करने के बाद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एलएलबी में प्रवेश लिया और 1977 में लॉ ग्रेजुएट की डिग्री पाने से पहले अरुण जेटली ने राजनीति में भी काफी कुछ हासिल कर लिया था, वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से भी जुड़े थे। अरुण जेटली वर्ष 1974 में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष चुने गए और 1975-77 के दौरान वह देश में लगे आपात काल के दौरान प्रीवेंशन और ऑफ डिटेंशन का सामना करने वाले भी बने। जेल से रिहा हुए तो जनसंघ के सक्रिय सदस्य बने। राजनरायण और जय प्रकाश नारायण के शुरू किए आंदोलन में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले बने। जयप्रकाश जी द्वारा बनाई गई नेशन कमेटी फॉर स्टूडेंट के संयोजक भी बनाए गए। लेकिन इसके बाद अरुण जेटली ने

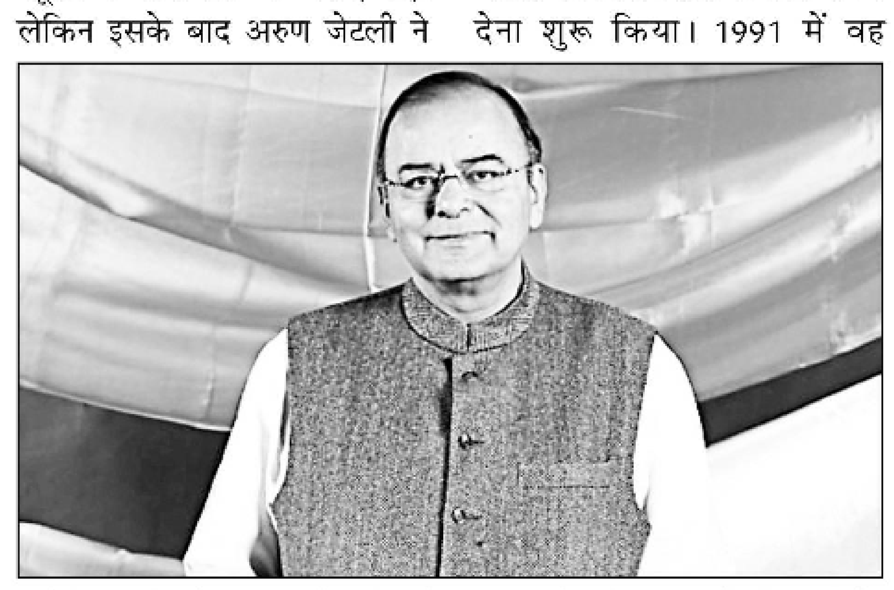

पूर्व वित्त मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अरुण जेटली अब हमारे बीच नहीं हैं। उनका गत शनिवार को एम्स में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। अरुण जेटली का जाना हर किसी को अखर रहा है। जेटली के निधन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी बड़ी व्यक्तिगत क्षति माना जा रहा है। अरुण जेटली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच दोस्ती के रिश्ते जगजाहिर रहे हैं।

अपना ध्यान प्रोफेशनल कॉरियर बनाने में लगाया। 80 के दशक में अरुण जेटली ने देश के विभिन्न हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में बतौर वकील अपनी पहचान बनाई। जनवरी 1990 में जेटली दिल्ली हाईकोर्ट के नामित वरिष्ठ अधिवक्ता बने। 1989 में तत्कालीन वीपी सिंह की सरकार ने जेटली को एडिशनल सॉलीसीटर जनरल बनाया। वकालत के कॉरियर में जेटली शरद यादव (तब जनता दल), लालकृष्ण आडवाणी (भाजपा) और माधव राव सिंधिया (कांग्रेस) के वकील रहे। तमाम नामी कंपनियों के वकील रहे और अपनी जगह बनाई। वकालत के करियर को धार देने के बाद अरुण जेटली ने फिर राजनीति की तरफ समय देना शुरू किया। 1991 में वह भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में शामिल हुए। साल 1999 में अरुण जेटली को पार्टी ने राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया।

लोकसभा चुनाव के बाद देश में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए के बैनर तले भाजपा सत्ता में आई। अटल जी के नेतृत्व वाली सरकार में अरुण जेटली को सूचना एवं प्रसारण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मिला। बाद में विनिवेश राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भी बने। बाद में, जेटली को विधि एवं न्याय मंत्रालय में मंत्री बनाया गया और नवंबर 2000 में तत्कालीन कानून मंत्री राम जेठमलानी के त्यागपत्र देने के बाद जेटली को केंद्रीय कानून मंत्री की जिम्मेदारी मिली। 2002 में जेटली फिर भाजपा के संगठन में चले गए 2003 में फिर वाजपेयी मंत्रिमंडल में शामिल हुए। इस बार उन्हें वाणिज्य मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया। जेटली के निधन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए भी बड़ी व्यक्तिगत क्षति माना जा रहा है। अरुण जेटली और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच दोस्ती के रिश्ते जगजाहिर रहे हैं। ये अरुण जेटली ही थे, जिन्होंने 'मोदी है तो मुमकिन है' का नारा दिया था। मोदी को दिल्ली की राजनीति से रुबरू कराने के साथ ही सरकार चलाने तक हर बार अरुण जेटली उनके सबसे बड़े मददगार के तौर पर उभरे। इतना ही नहीं जब भी पार्टी संकट में दिखी अरुण जेटली सबसे बड़े संकटमोचक के तौर पर सामने आए। जेटली ने मोदी को दिल्ली की अफसरशाही से रुबरू कराने के साथ उसके सियासी दांवपेंचों से भी अवगत कराया। वित्तमंत्री रहते हुए अरुण जेटली ने कई बार मोदी सरकार को मुश्किलों से उबारने में संकटमोचक की भूमिका निभाई। जब देशभर में जीएसटी लागू किया जाना था और उसे लेकर विपक्ष के साथ ही व्यापारियों में सामंजस्य बनाया जाना था। ऐसे में प्रावधानों में जरूरी संशोधन करने में जेटली की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जेटली विधिक सलाहकार भी थे, ऐसे में कई बार विधिक मुश्किलों से भी पार्टी नेताओं को जेटली की मदद से बाहर निकाला गया। 2013 में वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति में सशक्त तरीके से लाने वाले प्रमुख रणनीतिकारों में थे। पर्दे के पीछे रहकर जेटली ने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए केंद्रीय राजनीति में तमाम मोहरे फिट करते रहे। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने के बाद जेटली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के गठन में अहम भूमिका निभाई। 2014-19 तक केंद्र सरकार के संकट मोचक बने रहे। अरुण जेटली का स्वास्थ्य 2014 से उन्हें धोखा देता रहा। अनियंत्रित डायबिटीज से निजात पाने के लिए सितंबर 2014 में गैस्ट्रिक बाईपास सर्जरी कराई। इसके कुछ समय बाद मई 2018 में जेटली को किडनी की बिमारी से परेशान होकर किडनी ट्रांसप्लांट के दौर से गुजरे। वर्ष 2019 के जनवरी महीने में उन्हें एक और गंभीर बीमारी ने घेर लिया। वह साफ्ट टिश्यू कैंसर की गिरफ्त में आ गए। स्वास्थ्य वजहों के चलते जेटली ने 2019 में दोबारा सत्ता में आने पर मोदी सरकार की कैबिनेट में न जाने की इच्छा जताई। पिछली 9 अगस्त से वे एम्स के गहन चिकित्सा कक्ष में गंभीर अवस्था में भर्ती थे और अंततः जिंदगी की जंग हार गए।

अब कहीं का नहीं रहेगा पाक

पाकिस्तान आखिरकार लैकलिस्टेड हो ही गया। एफटीएएफ यानी फाइनेंशियल एशन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को लैकलिस्ट कर दिया है। टेरर फंडिंग व आतंकी संगठनों की मनी लॉन्ड्रिंग पर रोक लगाने में नाकाम रहने के बाद एफटीएएफ के एशिया पैसेफिक ग्रुप ने पाकिस्तान को लैक लिस्ट में डाल दिया है। एफटीएएफ ने पाया है कि 40 में से 32 मानकों पर पाकिस्तान नाकाम रहा है। लैकलिस्ट होने के बाद अब पाकिस्तान पाई-पाई को मोहताज हो जाएगा और उसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों और विदेश से कर्ज लेना तकरीबन नामुमकिन हो जाएगा। बता दें कि पाकिस्तान पहले से ही एफटीएएफ की ग्रे लिस्ट में था और उस पर आतंकी संगठनों पर एशन लेने का भारी दवाब था। ऑस्ट्रेलिया के कैबनरा में पाक से जुड़ी म्युचुअल इवेल्यूशन रिपोर्ट यानी एफटीएएफ को पेश किया गया। इस रिपोर्ट के बाद पाकिस्तान लैकलिस्ट हो गया। जी 7 देशों की पहल पर एफएटीएफ की स्थापना 1989 में हुई थी। यह एक अंतराष्ट्रीय संस्था है।

इस संगठन के सदस्यों की संज्या 37 है। भारत भी इस संगठन का सदस्य है। इसका मुख्य उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकी फंडिंग पर लगाम लगाने में नाकाम देशों की रेटिंग तैयार करना है। एफएटीएफ ऐसे देशों की दो लिस्ट तैयार करता है। पहली लिस्ट ग्रे और दूसरी लैक होती

पाक आखिरकार लैकलिस्टेड हो ही गया। एफटीएएफ यानी फाइनेंशियल एशन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को लैकलिस्ट कर दिया है। यह भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक सफलता है। अब वह पाई-पाई को मोहताज हो जाएगा और उसे कर्ज लेना नामुमकिन हो जाएगा।

है। ग्रे लिस्ट में शामिल होने वाले देशों को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से आर्थिक मदद मिलने में मुश्किल होती है। वहीं, लैक लिस्ट में आने वाले देशों को आर्थिक सहायता मिलने का रास्ता पूरी तरह से बंद हो जाता है। पाकिस्तान को काली सूची में डाला जाना भारत के लिए बहुत बड़ी सफलता है। भारत काफी दिनों से कूटनीतिक स्तर पर यह प्रयास कर रहा था कि पाकिस्तान कंगाल हो जाए। भारत की यह कोशिश पुलवामा हमले के बाद तेज हुई थी। तबसे भारत इसी कोशिश में था कि पाकिस्तान की आर्थिक कमर कैसे तोड़ी जाए। अब जबकि वह इसमें कामयाब हो गया है, तो यह मान लेना चाहिए कि पाकिस्तान के बुरे दिन शुरू हो गए हैं। पाकिस्तान की आर्थिक दशा इस समय कैसी है, यह सभी को पता है।

वहां के लोगों को खाने के लाले हैं। महंगाई आसमान छू रही है। मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन हो रह है। इसके बाद भी पाकिस्तान की अकड़ नहीं जा रही है।

यह स्थिति पाकिस्तान के लिए बहुत घातक है। दुनिया में पाकिस्तान को अलग-थलग करने की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुहिम का असर दिख चुका है। कई देशों ने भी पाकिस्तान से कारोबारी संबंध खत्म करने का इशारा दिया है। पुलवामा हमले के बाद भारत पहले ही पाकिस्तान को मोस्ट फेवर्ड नेशन की सूची से बाहर कर चुका है। रही सही कसर पाक ने ही पूरी कर दी है। धारा-370 खत्म करने के बाद पाक ने भारत से व्यापारिक संबंध खत्म कर अपने पैर पर ही कुल्हाड़ी मार ली है। अब लैक लिस्टेड होने के बाद उसकी बुरे दिन शुरू होने तय हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863,

All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.

जासूसी एप्लिकेशन जिनकी मदद से आप भी बन सकते हैं जेम्स बॉन्ड

हॉलीवुड की फिल्मों में जेम्स बॉन्ड के कारनामे देखकर आप आश्चर्यचकित रह जाते हैं, किंतु आपको मालूम है कि इस तरह के कारनामे आप भी कर सकते हैं। आज एंडरॉयड स्मार्टफोन के लिए कई बेहतर एप्लिकेशन हैं, जिनकी मदद से आप जेम्स बॉन्ड के समान जासूस बन सकते हैं।

इन z Apps के जरिए किसी की भी हो सकती है जासूसी

वैसे तो Google Play Store पर हर रोज नए -नए एंड्राइड APPS आते रहते हैं। इनमें कई तरह के Apps शामिल होते हैं। वैसे तो ज्यादातर App हमारे फायदे या काम के होते हैं, लेकिन कुछ App उनमें से हमारे लिए मुसीबत का कारण भी बन जाते हैं। कुछ App के जरिए लोग अपने दोस्तों, पत्नी, या दुश्मन की पल-पल की जासूसी करते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे ही App के बारे में बताते हैं जिनके जरिए जासूसी हो रही है और आपको इनसे सावधान रहने की जरूरत है।

spy camera इस एप की मदद से आप अपने फोन पर पल-पल नजर रख सकते हैं। जैसे ही कोई दूसरा शख्स आपके फोन को टच करेगा तो यह फोन उसकी फोटो क्लिक कर लेगा और उसे पता भी नहीं चलेगा यह एप आपकी इजाजत के बिना आपके फोन को छूने वालों का वीडियो भी बना सकता है।

find my kids

एक नया App जिसके जरिए guardian अपने बच्चों की सुरक्षा का घर बैठे ध्यान रख सकते हैं। crime बढ़ रहा है, ऐसे में बच्चों की चिंता होना जाहिर-सी बात है, इस ऐप की मदद से आप अपने बच्चों की रियल टाइम लोकेशन जान सकते हैं। बस आपको एक काम करना होगा कि इस ऐप को अपने बच्चे के स्मार्टफोन में इंस्टॉल करना है। उसके बाद आपको अपने बच्चे की पल-पल की अपडेट मिलती रहेगी।

cell ट्रैकर

लोकेशन ट्रैक करने के लिए यह सबसे बढ़िया एप है। यह एप उन लोगों के लिए बड़े ही काम का है, जो सेल्स से जुड़े हैं। इस एप के जरिए आप जान सकते हैं कि आपकी कंपनी का कर्मचारी किस वक्त कहां था। प्रत्येक 30 मिनट पर आप लोकेशन चेक कर सकते हैं तो यदि आप बॉस हैं तो अपने सेल्स कर्मचारी के फोन में इस एप को इंस्टॉल कर सकते हैं।

ear agent U

इस App में इक्विलाइजर और एम्पलिफायर लगा हुआ है जिसकी मदद से यह आसपास की आवाज को रिकॉर्ड करता है। यह एप आपके आसपास हो रही बातचीत को चुपके से आपके फोन में रिकॉर्ड और सेव कर लेता है।

Fake Call: Agent Killer 147

इस एप के जरिए फर्जी कॉलिंग की जाती है। इसमें टाइम सेट करके आप अपने दोस्तों को मस्ती-मजाक के लिए परेशान कर सकते हैं।

मोबाइल हिडेन कैमरा

इस कैमरा एप्लिकेशन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इंस्टॉल होने के बाद भी यह फोन में दिखाई नहीं देता। यह छिपा हुआ होता है। जासूसी के दौरान किसी को बिना बताए रिकॉर्डिंग करने के लिए यह बेहद ही शानदार एप्लिकेशन है। इसमें रिकॉर्डिंग के दौरान शटर साउंड भी नहीं होता और यह हाईक्वालिटी वीडियो रिकॉर्ड में सक्षम है।

जीपीएस फोन ट्रैकर

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है। यह एप्लिकेशन आपके फोन को ट्रैक करने का कार्य करता है। यह जीपीएस के आधार पर आपके स्मार्टफोन की वास्तविक स्थिति बताने में सक्षम है। इसके साथ ही आप इस एप्लिकेशन के मैसेज, कॉल और वेब एक्टिविटी को भी ट्रैक करने में सक्षम है।

साइलेंट आई

साइलेंट आई भी आपके तकनीक जासूसी का महत्वपूर्ण हथियार है। आप अपने फोन का उपयोग नाइट विजन कैमरे के रूप में कर सकते हैं। हालांकि जरूरी नहीं कि आप नए फोन को ही इस कार्य में उपयोग करें, बल्कि इस जासूसी में आप पुराने फोन का भी उपयोग कर सकते हैं। एप्लिकेशन को ऑन करने पर जैसे ही कैमरे के सामने कोई हलचल होगी इसका अलार्म बज उठेगा। वहीं इससे रिकॉर्ड वीडियो को आप दूसरे डिवाइस पर ही स्ट्रीम कर सकते हैं।

स्पाई मैसेज फ्री

यदि आप चाहते हैं कि आपके मैसेज को कोई न पढ़ सके तो आप सिक्योर मैसेज सर्विस स्पाई मैसेज का सहारा ले सकते हैं। एंडरॉयड फोन उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध है, इस एप्लिकेशन में आप अपने गूगल अकाउंट से लॉगिन कर सकते हैं। इसमें जिन मैसेज को आप फोन में रखना नहीं चाहते, वे खुद ही डिलीट हो जाएंगे। वहीं आप अपने मैसेज डिलीट का टाइम भी सेट कर सकते हैं।

सेल ट्रैकर

सेल ट्रैकर एप्लिकेशन के माध्यम से आप किसी स्मार्टफोन के बेहद ही सटीक लोकेशन का पता लगा सकते हैं। इतना ही नहीं आप यह भी पता लगा सकते हैं कि फोन को लेकर उपभोक्ता कहां–कहां गया है।

ऑटोमैटिक कॉल रिकॉर्डर

यदि आप किसी फोन के कॉल की जानकारी प्राप्त करना चहाते हैं तो ऑटोमैटिंक कॉल रिकॉर्डर बेहतर एप्लिकेशन है। कॉल कनेक्ट होते ही खुद ही रिकॉर्डिंग शुरू हो जाती है। रिकॉर्ड कॉल को आप शेयर भी कर सकते हैं वहीं इसमें क्लाउड स्टोरेज का भी विकल्प दिया गया है।

जासूसी के लिए उपयोग में आने वाले एप्स की लिस्ट में Automatic Call Recorder भी शामिल

ऑटोमैटिक कॉल रिकॉर्डर गूगल प्ले पर मौजूद है। इस एप को जासूसी के लिए उपयोग में आने वाले कुछ एप्स की लिस्ट में ऑटोमैटिक कॉल रिकॉर्डर भी शामिल है। गूगल प्ले पर उपलब्ध इस एप की मदद से फोन पर आने वाले किसी भी कॉल को रिकॉर्ड कर सकते हैं। यूजर उसे बाद में सुन सकता है। एप की मदद से आने वाले फोन के साथ किए गए किसी भी कॉल को रिकॉर्ड किया जा सकता है।

इस एप में एक और खास फीचर है, जिसकी मदद से फोन में रिकॉर्ड की गई सभी कॉल्स में पासवर्ड भी लगाया जा सकता है। ऐसा करने पर रिकॉर्ड किए गए प्राइवेट कॉल्स कोई और नहीं सुन पाएगा। ऐसे में यूजर की प्राइवेसी का ख्याल रखा जाएगा। गूगल प्ले पर इस एप को यूजर रेटिंग के हिसाब से 5 में से 4.2 स्टार दिए गए हैं।

IP Cam Viewer Lite

यह एक जादूई एप्लिकेशन है, यह आपके आस-पास अगर कोई सीक्रेट कैमरा छिपा है उसका पता लगाती है। किसी और जगह से अपने कैमरे को कंट्रोल करने के लिए इस एप का इस्तेमाल किया जाता है। डिजिटल जूम, होम स्क्रीन विजेट्स, मोशन डिटेक्शन जैसे फीचर्स के साथ यह एप काफी अच्छा साबित हो सकता है। इस एप को गूगल प्ले की तरफ से 5 में से 4.3 स्टार दिए गए हैं।

Remote Call & SMS Tracker

अपने नाम की तरह काम करने वाले इस एप के जरिए यूजर के कॉल, एसएमएस कहीं से भी ट्रैक किए जा सकते हैं। इस एप को इस्तेमाल करने के लिए पहले इसे डाउनलोड करना होगा इसके बाद एप्लिकेशन में अपनी ई-मेल आईडी और पासवर्ड डालकर रजिस्टर करना होगा। ऐसा करने के बाद एक 4 डिजिट का पिन यूजर को दिया जाएगा जिसकी मदद से ऐप काम करेगा। जब भी स्मार्टफोन में कॉल या एसएमएस ट्रैक करना चाहेंगे उस समय इस एप में लगइन करें। गूगल प्ले की यूजर रेटिंग में इस एप को 5 में से 4.1 स्टार दिए गए हैं।

App Lock

यह एप्लिकेशन उन लोगों के लिए काफी काम की साबित हो सकती है, जो किसी बात को सीक्रेट रखने में ज्यादा यकीन करते हैं। अगर आप चाहते हैं कि स्मार्टफोन में मौजूद किसी एप का पता ना चले तो इस एप को इंस्टॉल करिए और बाकी सब कुछ लॉक कर दीजिए। यह एप गूगल प्ले पर फ्री में उपलब्ध है। गूगल प्ले पर इसे 5 में से 4.5 स्टार दिए गए हैं।

Spy Call Recorder

इस एप्लिकेशन की मदद से आप किसी की भी बातें रिकॉर्ड करके उसे MPx फॉर्मेट में सेव कर सकते हैं। यह इनकमिंग और आउटगोइंग दोनों ही तरह के कॉल्स के लिए उपयोगी है। यह ऑटोक्लीनिंग भी करता है बहुत पुराने रिकॉर्ड्स को डिलीट भी किया जा सकता है। गूगल प्ले की एंड्रॉइड रेटिंग के हिसाब से इस एप को 5 में से 3.7 स्टार दिए गए हैं।

M-SPY

आप अपने फोन को माइक्रोफोन की तरह भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए बस आपको एम-स्पाइ एप इंस्टॉल करना होगा और इसे स्टार्ट करके उस जगह पर रखना होगा जहां से आपको बातें रिकॉर्ड करनी हैं। इसके बाद इस एप को स्टार्ट करने के लिए सिर्फ एक मेसेज भेजना होगा अपने फोन पर। यह ऐप डाउनलोड करने के लिए http://www.mspy.com/android_spy.html लिंक पर जाना होगा।

Ear Spy: Super Hearing

किसी की बातें छिपकर सुनने के लिए यह एप बहुत अच्छा एप साबित हो सकता है। इस एप के कुछ फीचर्स एंड्रॉइड 4.2 या उससे ऊपर के ऑपरेटिंग सिस्टम की जरूरत होती है। बाकी फीचर्स एंड्रॉइड 2.3 या उससे ऊपर के ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करने लगते हैं। गूगल प्ले की यूजर रेटिंग के हिसाब से इस एप को 5 में से 3.6 स्टार दिए गए हैं।

इन तरीकों से आप रोक सकते हैं अपने फोन की जासूसी

हाल में एक खबर आई है कि 1,000 से ज्यादा ऐसे एप्स हैं, जो आपके फोन की जासूसी कर रहे हैं। भले ही आपने अनुमति न दी हो, बावजूद इसके वे आपके फोन से डाटा चोरी कर रहे हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है, बल्कि एंडरॉयड फोन हो या फिर आईफोन इससे पहले भी कई बार एप्स पर जासूसी के आरोप लगते आए हैं। ओएस में सिक्योरिटी अपडेट तो दिए जाते हैं, लेकिन कुछ कमियों का फायदा उठकार ये कुछ चोर एप्लिकेशन आपकी निजी डाटा चोरी करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने फोन की डाटा सुरक्षा को लेकर पहले से सजग रहें। हालांकि कुछ तरीके हैं, जिनके माध्यम से आप अपने फोन की जासूसी को बहुत हद तक कम कर सकते हैं। आगे हमनें फोन में जासूसी रोकने के ऐसे ही 5 तरीके हैं।

एप्स को उतना ही परमिशन दें जितनी जरूरत हो

जब आप कोई एप इंस्टॉल करते हैं तो वह आपके फोन में कई तरह के ऐक्सेस मांगता है। यह ऐक्सेस आपके कॉन्टैक्ट देखने से लेकर फोन का माइक्रोफोन और कैमरा का उपयोग तक का होता है। आप बिना सोचे समझे परमिशन तो दे देते हैं, लेकिन यही एप बाद में आपकी जासूसी करने लगते हैं। इसलिए जब आप किसी एप को इंस्टॉल कर रहे हैं तो उसके उपयोग को समझें और उतना ही एक्सेस दें जितना की जरूरत हो। कोई पेमेंट एप है तो आप कॉन्टैक्ट मैसेज और कैमरे का एक्सेस दे सकते हैं, उसका लोकेशन से कोई काम नहीं। वहीं यदि वह माइक्रोफोन ऐक्सेस मांग रहा है तो भी गलत है। हर एप को उसकी उपयोगिता के हिसाब से परमीशन दें।

एप परमिशन का करें रिव्यू

यदि आपने अपने फोन में पहले से एप इंस्टॉल कर रखा है तो एक बार समय निकाल कर उन एप के परमिशन को रिव्यू जरूर करें। इस रिव्यू के दौरान आप अनचाहे परमीशन को रोक सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको

1. अपने फोन की सेटिंग में जाना है।
2. यहां पर आपको एप का ऑप्शन दिखाई देगा। इसे क्लिक करें।
3. इसके साथ ही सारे एप ओपन हो जाएंगे।
4. अब आप एप पर क्लिक करेंगे तो कई ऑप्शन मिलेंगे। थोड़ा नीचे स्क्रॉल करने पर एप परमीशन का विकल्प दिखाई देगा। यहां से आप परमीशन को ऑफ और ऑन कर सकते हैं।
5. हालांकि कई फोन में एप परमिशन के लिए अलग से ऑप्शन होता है। जब आप परमीशन पर क्लिक करेंगे तो वहां सारे परमिशन आ जाएंगे आप उन पर क्लिक कर देख सकते हैं कि कौन से एप को किस तरह का परमीशन मिला है। यहां से परमिशन को ऑन ऑफ कर सकते हैं।

लोकेशन शेयर रखें बंद

अक्सर हम अपने फोन के लोकेशन को ओपन रख देते हैं, लेकिन इससे भी आपके फोन की जासूसी होती है। कई ऐप आपसे लोकेशन एक्सेस कर लेते हैं और आप कहां जा रहे हैं, किस जगह बैठ रहे हैं और किस तरह की खरीदारी कर रहे हैं, ये सारी जानकारी लेते रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने फोन की लोकेशन सेटिंग को ऑफ रखें और जब जरूरत हो तो ही ऑन करें। अगर आप अपने लोकेशन हिस्ट्री को डिलीट कर देते हैं तो ज्यादा बेहतर है। लोकेशन को ऑफ तो आप क्विक सेटिंग से कर सकते हैं। परंतु लोकेशन हिस्ट्री डिलीट करने के लिए आपको सबसे पहले

1. फोन की सेटिंग में जाना है और यहां से लोकेशन का चुनाव करना है।
2. कई फोन में यह ऑप्शन सिक्योरिटी एंड लॉकस्क्रीन के अंदर मिलेगा।
3. लोकेशन में जानें के साथ आपको शुरुआत में ही तीन चार ऑप्शन मिलेंगे, जिनमें एक लोकेशन हिस्ट्री भी होगा। उसे क्लिक करें।
4. इसके साथ ही लोकेशन हिस्ट्री को ऑन-ऑफ करने का विकल्प आएगा। उसे ऑफ कर दें। इसके बाद आपकी हिस्ट्री नहीं सेव होगी।
5. परंतु लोकेशन हिस्ट्री को डिलीट करने के लिए सबसे पहले आपको फोन में मैप को ऑन करना होगा।
6. यहां से मैप सेटिंग में जाना है।
7. इसमें मैप हिस्ट्री का विकल्प मिलेगा आप उसे क्लिक कर दें।
8. यहां आपके लोकेशन की पूरी जानकारी आ जाएगी कि आप कब-कब और कहां-कहां गए हैं।
9. यहां से आप एक-एक कर अपनी पूरी हिस्ट्री को डिलीट कर सकते हैं। इसके साथ ही चाहें तो एक साथ पूरी हिस्ट्री को डिलीट कर सकते हैं।
10. इसके लिए उपर दाईं ओर दिए गए तीन डॉट पर क्लिक करना है और डिलीट एक्टिविटी बाइ पर जाना है। यहां पर आप डिलीट ऑल टाइम पर क्लिक कर एक साथ पूरी हिस्ट्री को डिलीट कर सकते हैं।

फोटो लोकेशन करें ऑफ

शायद आपको मालूम नहीं कि आपके फोटो से भी लोकेशन की जासूसी की जा सकती है। आप अपने फोन से फोटो क्लिक करते हैं और उसमें लोकेशन स्टोर का ऑप्शन होता है, जो फोटो के साथ आपकी लोकेशन को भी सुरक्षित कर लेता है। कई ऐप आपके एल्बम और कैमरे का ऐक्सेस लेते हैं और वह इससे भी जासूसी करते हैं। ऐसे में आप फोटो लोकेशन स्टोर को ऑफ कर दें। इसके लिए आपको

1. कैमरा को ओपेन करना है और कैमरा सेटिंग में जाना है।
2. सेटिंग में ही स्टोर लोकेशन का विकल्प मिलेगा उसे ऑफ कर दें। इसके साथ ही फोटो के साथ लोकेशन स्टोर ऑफ हो जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार श्री कृष्ण मुरारी मंदिर गोपाल नगर में हर्षोल्लास से मनाया गया

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में अभिजय चोपड़ा (पंजाब केसरी) व आये हुए अतिथिगण को मंदिर कमेटी सम्मानित करते हुए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में शीतल विज (संपादक दैनिक सवेरा) व आये हुए अतिथिगण को मंदिर कमेटी सम्मानित करते हुए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में बावा हेनरी (विधायक) व आये हुए अतिथिगण को मंदिर कमेटी सम्मानित करते हुए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में जगदीश राजा (मेयर) को मंदिर कमेटी सम्मानित करते हुए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मनोरंजन कालिया (पूर्व मंत्री) व आये हुए अतिथिगण को मंदिर कमेटी सम्मानित करते हुए।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को सम्मानित करते हुए मंदिर कमेटी के सदस्यगण।

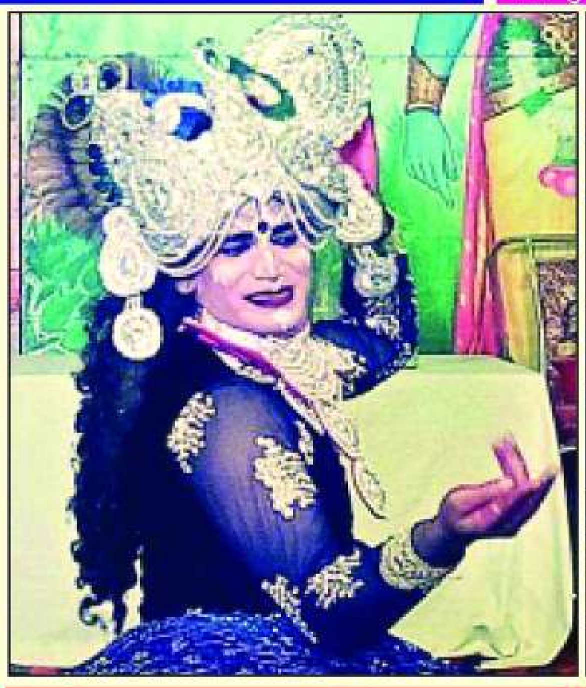

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में मनमोहक झांकियां प्रस्तुत करते हुए कलाकार।

■ जालंधर/विजय कुमार

बाल गोपाल श्री कृष्ण का जन्म भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में वासुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से मथुरा के कारागार में हुआ था। उनके जन्म के अवसर पर हर वर्ष इस तिथि को श्री कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखा जाता है, मंदिरों को सजाया जाता है, रात्रि के समय भगवान बाल गोपाल के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, श्री कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखने और विधि से पूजा करने पर निसंतान लोगों को संतान सुख की प्राप्ति होती है। वहीं अन्य लोगों को जीवन में आनंद की प्राप्ति होती है। श्री कृष्ण जन्माष्टमी को रात्रि के समय लोग गीता का पाठ करते है, लेकिन इस दिन बाल गोपाल श्री कृष्ण के जन्म की कथा अवश्य सुननी चाहिए। जिस समय देवकी ने अपनी आठवीं संतान को जन्म दिया, वह स्वयं भगवान वासुदेव कृष्ण अवतार में पृथ्वी पर जन्में थे। उसी समय यशोदा ने एक पुत्री को जन्म दिया। इस बीच देवकी के कारागार में अचानक प्रकाश हुआ और भगवान श्रीहरि विष्णु प्रकट हुए। उन्होंने वासुदेव से कहा कि आप इस बालक को अपने मित्र नंद जी के यहां ले जाओ और वहां से उनकी कन्या को यहां ले आओ।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का त्यौहार पूरे भारत वर्ष में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। देशभर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूरे जोर शोर से मनाई गई है। ऐसे में हर कोई कृष्ण भक्ति में डूबा हुआ नज़र आया, माखन के लिए पूरे गोकुल को अपनी उंगलियों पर नचाने वाले श्री कृष्ण की जन्माष्टमी इस बार 24 अगस्त 2019 को मनाई गई इस बार श्रीकृष्ण मुरारी मंदिर गोपाल नगर में जन्माष्टमी का त्योहार बड़ी श्रद्धा पूर्वक से मनाया गया।

सुबह से ही भक्तों की भीड़ मंदिर में लगी रही। मंदिर में कीर्तन सुबह से ही शुरू हो गये थे जो कि नजारा देखने योग्य था। जिन कृष्ण भक्तों ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का व्रत रखा था।

उन्होंने गीता का पाठ भी किया। शाम को नजारा देखने योग्य था लाईट का प्रबंध इतना था कि हर जगह पर रोशनी ही रोशनी थी। मंदिर में कई प्रकार की झांकियां सजाई गई थी। भक्त लोग मंदिर में माथा टेकते और झांकियां देखने चले आए। मंदिर में स्टेज का प्रबंध भी किया हुआ था जहां श्रीकृष्ण और राधा का स्वरूप लेकर स्टेज पर नृत्य करते और श्रीकृष्ण लीला करते थे। भीड़ इतनी बढ़ गई कि मंदिर में पैर रखने की जगह नहीं थी। जन्माष्टमी पर्व को लेकर भक्तों में भारी उत्साह देखा जा रहा था। मंदिर में कहीं रंग बिरंगे फूलों के जाल, कहीं रंग बिरंगी लाईटें और गुब्बारे मंदिर की शोभा बढ़ा रहे थे।

कृष्ण भक्तों के लिए श्री कृष्ण मुरारी प्रबंधक कमेटी गोपाल नगर जालंधर से लंगर का आयोजन भी किया गया। जालंधर के सभी मंदिरों की शोभा देखने योग्य बनी हुई थी। सुंदर व आकर्षित झांकियां मंदिरों की शोभा को चार चाँद लगा रही थी। पुलिस प्रशासन की ओर से मंदिरों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए थे।

मोदी-ट्रंप की मुलाकात से बौखलाए इमरान ने दी परमाणु युद्ध की धमकी

■ नई दिल्ली/ब्यूरो

जी-7 सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात के बाद एक बार फिर से पाकिस्तान बौखला गया है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने राष्ट्र के नाम संबोधन में भारत पर कई आरोप लगा दिए। उन्होंने कहा कि हमने जब कभी कश्मीर पर बातचीत करनी चाही तो उन्होंने हम पर आतंकवाद का आरोप मढ़ दिया।

इसी बीच मोदी सरकार द्वारा जम्मू कश्मीर से धारा 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त किए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी ने इसे हटाकर बहुत बड़ी गलती कर दी है। इसी के साथ इमरान ने भारत को परमाणु युद्ध की धमकी दे दी और कहा कि दोनों देशों के पास परमाणु हथियार हैं।

सुस्त तरीके से काम करने के कारण सिविल अस्पताल में लगी लंबी लाईनें

■ जालंधर/नीरज

जालंधर सिविल अस्पताल में सोमवार को दवाई लेने वालों की दवाई खिड़की पर लंबी कतारें लगी देखी गई। लाईन में लगे लोगों ने दबी आवाज़ में बताया कि दवाई तो खिड़की से जरूर मिल रही है, लेकिन दवाई देने वाले सुस्त तारीके से काम कर रहे है। जिसके कारण दवाई लेने वाले मरीज काफी समय से लंबी कतारों में लगे रहते है। सोमवार को गर्मी में लाईन बाहर सड़क तक पहुंच गई थी। जिसके कारण लोगों को मजबूरन धूप में खड़ा होना पड़ रहा है। इस संबध में जब खिड़की में दवाई दे रहे कर्मचारी से बात करनी चाही तो भीड़ ज्यादा होने के कारण बात ना हो सकी लेकिन लाईन में लगे लोग जरूर परेशान दिखाई दिए।

पंजाब अनुसूचित जाति, भूमि विकास और वित्त निगम ने श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व को समर्पित 550 लाख के कर्ज बाँटने की घोषणा -सूद

बाढ़ प्रभावित अनुसूचित जाति भाईचारे के लोगों को पहल के आधार पर मिलेगा कर्ज

■ जालंधर/जालंधर ब्रीज

श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व अवसर पर अनुसूचित जाति के भाईचारे के लोगों को अधिक से अधिक लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से पंजाब सरकार की तरफ से पंजाब अनुसूचित जाति, भूमि विकास ,वित्त निगम के द्वारा 550 लाख रुपए का कर्ज उपलब्ध करवाने का फैसला लिया गया है। यह जानकारी सर्कट हाऊस जालंधर में पंजाब अनुसूचित जाति, भूमि विकास पर वित्त निगम के चेयरमैन इंज.मोहन लाल सूद ने पंजाब के समूह जिला मैनेजरों की मीटिंग की अध्यक्षता में दी । उन्होनें बताया कि मुख्यमंत्री पंजाब कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने युवाओं विशेषकर अनुसूचित जाति के गरीब लोगों को रोज़गार उपलब्ध करवाने की नीति के अंतर्गत श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व के पवित्र अवसर को समर्पित अनुसूचित जातियों के गरीब लोगों, सफाई कर्मचारियों और उन के निर्भर पारिवारिक सदस्यों और अपंग व्यक्तियों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने और स्व रोज़गार स्थापित करने के मंतव्य के साथ 30 सितम्बर 2019 तक 550 लाख रुपए के कर्ज उपलब्ध करवाने का फैसला किया है जिस के अंतर्गत कर्ज फार्म भरने का पहला कैंप 27 अगस्त 2019 को रैस्ट हाऊस फगवाड़ में लगाया जा रहा है।

उन्होनें बताया कि इस कैंप में सीधा कर्ज स्कीम, बैंक टाई अपना स्कीम, अपंग स्कीम, सफाई कर्मचारी निगम की स्कीमों के अंतर्गत भी जरूरतमंद योग्य आवेदको के फार्म भरे जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि इस तरह के कैंप पंजाब के अन्य जिलों में भी लगाए जाएंगे जिससे निश्चित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

इस बैठक में अनुसूचित जाति के गरीब लोगों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के लिए पंजाब सरकार की नीतियों के अंतर्गत चलाई जा रही अलग अलग योजनाओं की प्रगति का जायजा भी लिया गया। उन्होनें मेनैजरों को हिदायत की कि वह सरकार की तरफ से पहले से निर्धारित किये गए लक्ष्य हर हालत में समय पर पूरे करने को यकीनी बनाये। उन्होनें बताया कि निगम की स्थापना से ले कर अब तक 5,33,479 लाभपातरियों को 748.55 करोड़ रुपए के कर्जे सीधे तौर पर और बैंकों द्वारा बाँटे गए हैं जिस में 186.39 करोड़ रुपए की सब्सिडी और 361.45 करोड़ रुपए का बैंक कर्ज है। श्री सूद ने बताया कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह मुख्यमंत्री पंजाब की मौजूदा सरकार की तरफ से अनुसूचित जाति के गरीब लोगों के 14260 लाभपातरियों के 45.41 करोड़ रुपए के कर्ज माफ किये गए।

इस अवसर पर चेयरमैन की तरफ से निगम से कर्ज प्राप्त कर स्व रोज़गार के द्वारा अपना जीवन स्तर ऊँचा उठाने वाले लाभपातरियों को प्रशंसा पत्र दे कर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी रजिन्दर सिंह, तहसील कल्याण अधिकारी सरबजीत कौर और पंजाब भर से जिला मैनेजर और अन्य भी उपस्थित थे।

कश्मीर मुद्दे पर ट्रंप के समक्ष बोले मोदी

हम किसी तीसरे देश को नहीं देना चाहते कष्ट

■ बिआरित्ज/ब्यूरो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता की गुंजाइश को सोमवार को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय रूप से सभी मुद्दों पर चर्चा कर समाधान कर सकते हैं और हम किसी तीसरे देश को कष्ट नहीं देना चाहते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बगल में बैठकर मीडिया से बातचीत के दौरान मोदी ने यह टिप्पणी की। ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात से पहले कहा था कि वह फ्रांसीसी शहर बिआरित्ज में जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर कश्मीर मुद्दे पर चर्चा करेंगे। ट्रंप ने हाल में कश्मीर पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी।

मोदी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच कई द्विपक्षीय मुद्दे हैं और हम किसी तीसरे देश को कष्ट नहीं देना चाहते। हम द्विपक्षीय रूप से इन मुद्दों पर चर्चा कर इनका समाधान कर सकते हैं। मोदी ने कहा कि भारत और पाकिस्तान 1947 से पहले साथ थे और उन्हें विश्वास है कि दोनों पड़ोसी अपनी समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान कर सकते हैं। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ अपनी टेलीफोन वार्ता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्होंने खान को बताया था कि दोनों देश गरीबी समेत कई दूसरे मुद्दों का सामना कर रहे हैं और राष्ट्रों को साथ मिलकर लोगों के कल्याण के लिये काम करना चाहिए। वहीं, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने और मोदी ने बीती रात कश्मीर के बारे में बात की और उन्हें लगता है कि भारत और पाकिस्तान इसका समाधान कर सकते हैं। उनकी बैठक ऐसे समय हुई है जब पांच अगस्त को भारत ने जम्मू कश्मीर को दिया गया विशेष दर्जा वापस ले उसे दो केंद्र शासित क्षेत्रों में विभाजित कर दिया था। संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को भारत द्वारा रद्द किये जाने के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था क्योंकि पाकिस्तान ने इस कदम को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया जताई थी। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि यह भारत का अंदरुनी मामला है और पाकिस्तान को भी सलाह दी थी कि वह इस हकीकत को स्वीकार कर ले।

बीजेपी नेताओं के निधन पर साध्वी प्रज्ञा का बेतुका बयान, कहा- विपक्ष ने मारक शक्ति का इस्तेमाल किया

नई दिल्ली/ब्यूरो

अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले भारतीय जनता पार्टी की नेता और भोपाल से सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने एक अजीबोगरीब बायान दिया है। उन्होंने बीजेपी नेताओं के निधन के संदर्भ में बेतूका बयान देते हुए कहा है कि विपक्ष मारक शक्ति का प्रयोग कर रहा है। साध्वी प्रज्ञा ने आज बीजेपी नेताओं की याद में रखी गई श्रद्धांजलि सभा में यह बात कही। बता दें कि पिछले दिनों बीजेपी के दो बड़े नेताओं का निधन हो गया। पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली के निधन से देश को बड़ा झटका लगा है।

साध्वी का यह बयान इन्हीं नेताओं के निधन के संदर्भ में है। साध्वी ने कहा, विपक्ष ने बीजेपी नेताओं पर मारक शक्ति का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, मैं जब चुनाव लड़ रही थी तब एक महाराज जी आए थे, उन्होंने कहा था ये बहुत बुरा समय चल रहा है. आप अपनी साधना को बढ़ा लो। विपक्ष एक मारक शक्ति का प्रयोग आपकी पार्टी और उसके नेताओ के लिए कर रहा है ऐसे में आप सावधान रहें।

सरकार बनाएगी सतगुरू रविदास महाराज जी का मंदिर

■ जालंधर/नीरज

दिल्ली स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने सतगुरू रविदास महाराज जी के तुगलकाबाद मंदिर को सुप्रीम कोट के आर्डर के पश्चात् सरकार द्वारा तोड़े जाने के विरोध में रविदास समुदाय में भारी रोष पाया जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी द्वारा दिल्ली बंद के दौरान 21 अगस्त बुधवार रात को दिल्ली मे माहौल खराब करने वाले कुछ युवकों पर पुलिस ने लाठीचार्ज करते हुए हवाई फायर भी किए थे। दिल्ली पुलिस ने कानूनी कारवाई करते हुए कुछ युवकों पर पर्चा दर्ज भी किया। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली स्थित सैंकड़ों वर्ष पुराना सतगुरू रविदास महाराज जी के मंदिर को तोड़ने के विरोध और कुछ युवकों पर दिल्ली पुलिस द्वारा पर्चा दर्ज करने के विरोध में फगवाड़ा में लोक इंसाफ पार्टी के नेता जरनैल नंगल ने लोक इंसाफ पार्टी के प्रधान बैंस ब्रदर सहित होशियारपुर से केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश के घर रोष मार्च निकाला, लेकिन पुलिस प्रशासन के विरोध करने पर फगवाड़ा का माहौल तनावपूर्ण हो गया। रविदासियों समाज की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस मामले का समाधान करते हुए, होशियारपुर के केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश ने ब्यान दिया है कि सरकार जल्द से जल्द दिल्ली स्थित तुगलकाबाद में सतगुरू रविदास महाराज जी का बहुत बड़ा मंदिर, व सरोवर भी बनायेंगी।

लारवा विरोधी टीमों की तरफ से 34 डेंगू लारवा केसों की पहचान

■ जालंधर/नीरज

स्वस्थ पंजाब मिशन तहत पानी से पैदा होने वाली बिमारियों की रोकथाम के लिए सेहत विभाग ने लारवा विरोधी सैल की तरफ से शहर की तरफ से 8 स्थानों पर विशेष जांच करके 34 डेंगू लारवा केसों की पहचान की गई। लारवा विरोधी सैल की अलग-अलग टीमें जिनमें राजिंदर सिंह, कमलदीप सिंह, हरप्रीत लाल, राजन कुमार, अमित कुमार, जगजीत, हरप्रीत पाल, संजीव कुमार, सतपाल, गुरविंदर सिंह और विनोद कुमार ने हरदियाल नगर, कनियावाली, आदर्श नगर, चौगिटी, गोपाल नगर और मास्टर तारा सिंह नगर की जांच की। मैंबरों ने 374 घरों का दौरा करके 283 लोगों को कवर किया और 164 कूलरों पर 848 वेस्टड चीजों की जांच की। उन्होंने बताया कि डेंगू मच्छर का लारवा ज्यादतर कूलरों में पैदा होता है जिस के साथ डेंगू मलेरीया और कई बिमारियां पैदा होती है। उन्होंने कहा कि हफ्ते में दो बार ये मुहिम चलाई जायेगी।